कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

150 YEARS OF CELEBRATING THE MAHATMA

जागृति

वर्ष:63 अंक-11 मुम्बई अक्टूबर 2019

महात्मा गांधी की 150 वीं वर्षगांठ पर
खादी और ग्रामोद्योग आयोग
बापू को श्रद्धांजलि दे रहा है
और स्वदेशी भावना का
जश्न मना रहा है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका
खादी और ग्रामोद्योग आयोग

जागृति

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

वर्ष 63 अंक-11 मुंबई अक्टूबर 2019

कामये दुःखतप्तानाम्। प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्रीमती प्रीता वर्मा

संपादक
एम. राजन बाबू

उप संपादक
सुबोध कुमार

वरिष्ठ हिंदी अनुवाद अधिकारी
सरस्वती खनका

डिजाईन व पृष्ठसज्जा
सुबोध कुमार

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड,
विले पार्ले (पश्चिम), मुंबई -400056
के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: kvicpub@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

इस अंक में.....

समाचार सार .... 3 से 21

केंद्र ने विनय कुमार सक्सेना का कार्यकाल खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष के रूप में तीन वर्ष के लिए बढ़ाया...............................

परंपरा से समझौता किए बिना खादी को आधुनिक बनाने की जरूरत: गडकरी...

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री द्वारा कारीगरों को चर्म कौशल हेतु टूल किट का वितरण...

आयोग के अध्यक्ष द्वारा अगरबत्ती इकाईयों का दौरा..........................

अध्यक्ष द्वारा खादी करघों व चरखों का वितरण...............................

अगरबत्ती निर्माताओं ने रोजगार और उत्पादन को बढ़ावा देने का संकल्प लिया...

अपशिष्ट कुम्हारी वस्तुओं को पुनःउपयोग में लाने के लिए खादी ने खोजा नया उपायः वाराणसी में 'टेराकोटा ग्राइंडर' का लोकार्पण...................

'हनी मिशन' के तहत राष्ट्रीय मधुमक्खीपालकों की बैठक : भारत में शहद की खपत प्रति व्यक्ति सिर्फ ५ ग्राम है- आयोग के अध्यक्ष ....

वाराणसी में आधुनिक खादी इंडिया आउटलेट का उद्घाटन..................

आयोग में हिन्दी माह का आयोजन ....

प्रेस कवरेज ....22 से 25

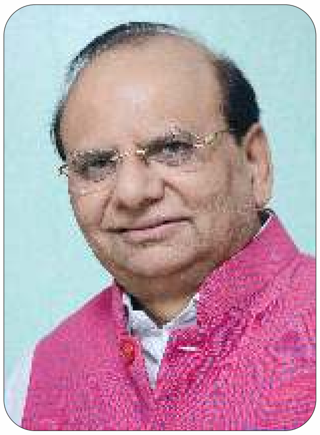

केंद्र ने विनय कुमार सक्सेना का कार्यकाल खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष के रूप में तीन वर्ष के लिए बढ़ाया

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार प्रभावी तारीख 5 सितंबर 2019 से श्री विनय कुमार सक्सेना का कार्यकाल खादी और ग्रामोद्योग आयोग (के.वी.आई. सी.) के अध्यक्ष के रूप में तीन साल के लिए बढ़ा दिया गया है|

संयोग से श्री सक्सेना वर्तमान सरकार में एकमात्र व्यक्ति हैं जो कॉर्पोरेट पक्ष से हैं और एक स्वायत्त निकाय के प्रमुख हैं। एक विख्यात कॉरपोरेट हाउस के साथ अपने 28 वर्षों के जुड़ाव के बाद, उन्हें पहली बार अक्तुबर 2015 में के.वी.आई. सी. के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था, जहाँ पहले दिन से ही उन्होंने देश भर में खादी और ग्रामोद्योगों के अनछुए क्षेत्रों की समीक्षा की और कई अभिनव योजनाएँ शुरू की, जैसे 'हनी मिशन और कुम्हार सशक्तिकरण योजना' तथा चर्म कारीगरों की विकास योजना है। खादी क्षेत्र में उच्च और बहुआयामी नवाचार को पेश करने का उनका विचार था, जिसके परिणामस्वरूप खादी के वस्त्र उत्पादन में विगत पांच वर्षों में 62 प्रतिशत अर्थात 2014-15 में 105.38 मिलियन वर्ग मीटर से 2018-19 में 170 मिलियन वर्ग मीटर तक खादी में औसतन वृद्धि हुई।

श्री सक्सेना का देश के कुल वस्त्र उत्पादन में खादी की हिस्सेदारी के 4.23 प्रतिशत से 8.49 प्रतिशत तक की वृद्धि में बहुत बड़ा हाथ है, जो संयोग से 4 वर्ष पूर्व खादी की हिस्सेदारी के दोगुने से अधिक है। इसी तरह खादी और ग्रामोद्योगी उत्पादों के कारोबार में भी 2018-19 में 32380 रुपये से बढ़कर 74,388 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। वास्तव में यह वह था जिसने केवीआईसी को पुनः ख्याति दिलायी जो कुछ वर्ष पूर्व एक अज्ञात संगठन था। 2015 में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष का कार्यभार संभालने के बाद, श्री सक्सेना ने सफलतापूर्वक 33,000 नए मॉडल चरखे और 6000 आधुनिक करघे का वितरण सुनिश्चित किया और 400 नए खादी संस्थाओं की स्थापना की, जो खादी और ग्रामोद्योग आयोग के इतिहास में अपने आप में एक रिकॉर्ड है, जिसके मदद से खादी उत्पादन में कई गुना वृद्धि हुई। कॉर्पोरेट्स के साथ टाई-अप करने, फ्रेंचाइजी स्कीम शुरु करने, व्यापक रूप से विपणन विस्तार करने, और फैब इंडिया सहित नकली खादी के विक्रेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के उनके फैसले से खादी को दृश्यता मिली।

दिसंबर, 2016 को प्रधान मंत्री द्वारा 'स्वीट क्रांति' पर दिए गए स्पष्ट आह्वान के पश्चात, श्री सक्सेना ने 'हनी मिशन' नाम के एक कार्यक्रम का मसौदा तैयार किया और अगस्त 2017 में राष्ट्रपति भवन से इसे शुरु

किया। इसके पश्चात, के.वी.आई.सी. ने देश भर के किसानों और बेरोजगार युवकों की पहचान करना शुरू कर दिया और असम के घने वन क्षेत्रों से लेकर नर्मदा घाटी के आदिवासी इलाके और जम्मू-कश्मीर की पहाड़ी घाटी से लेकर वाराणसी के गंगा के मैदानी इलाकों तक - देश का कोई भी कोना नहीं छोड़ा। केवीआईसी के अध्यक्ष ने मधुमक्खी कालॉनियों के साथ बी-बॉक्स वितरित किए, जो कि जुलाई 2017 और अगस्त 2019 के मध्य 1.15 लाख से भी अधिक मधुमक्खी-बॉक्स वितरित किए गए, जिसने किसानों की आय बढ़ाने के अलावा 15000 प्रत्यक्ष रोजगार का भी सृजन किया।

2015 से पूर्व, किसी ने भी नहीं सोचा था कि कुम्हार समुदाय की आर्थिक स्थिति में एक दिन सुधार होगा। श्री सक्सेना ने यह कार्य किया, जिन्होंने विगत वर्ष देश भर में 10,000 विद्युत चालित कुम्हारी चाक और अन्य कुम्हारी उपकरणों के वितरण के साथ हाशिए पर रहे इस समुदाय के लोगों के सामाजिक-आर्थिक स्तर को ऊपर उठाने के लिए न केवल व्यक्तिगत पहल की, बल्कि कई सरकारी और गैर-सरकारी निकायों ने कुम्हारों को बेहतर विपणन स्थिति प्रदान करने में भी सहायता की। उन्होंने, छोटे गाँवों से लेकर वैश्विक और बड़े शहरों से लेकर देश के दूरस्थ हिस्सों तक अर्थात लेह-लद्दाख निष्क्रिय क्षेत्र, काज़ीरंगा के मिज़िंग जनजातियों के गांव, सुंदरबन के बाली द्वीप के विधवाओं, पश्चिम बंगाल में डेल्टा या नर्मदा घाटी के आदिवासी बहुल इलाकों तक खादी और ग्रामोद्योग के माध्यम से आजीविका और रोजगार के साधन पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्री सक्सेना के 4 वर्ष के कार्यकाल में, खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से 21,70,702 नए रोजगार सृजित किए हैं, जिसमें 20,63,304 अपने महत्वाकांक्षी प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पी.एम.ई.जी.पी.), खादी क्षेत्र में 62,737 कुम्हार सशक्तिकरण मिशन के तहत 34,310 और हनी मिशन के तहत 15,315 शामिल हैं। 2014-15 से 2018-19 के मध्य उन्होंने भारत में मोची के नाम से पहचाने जाने वाले चर्म कारीगरों के लिए हाल ही में एक अभिनव सशक्तिकरण कार्यक्रम शुरू किया।

केवीआईसी के अध्यक्ष के रूप में श्री सक्सेना के कार्यों की सूची में एक नवीन पहल यह है कि भारत में अगरबत्ती उद्योग की दयनीय स्थितियों पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए, उन्होंने 29 अगस्त को इस संबंध में अवगत कराने के लिए केंद्रीय वाणिज्य मंत्री श्री पीयूष गोयल से मुलाकात की। वाणिज्य मंत्रालय ने अगस्त माह में 'प्रतिबंधित श्रेणी' के तहत अगरबत्ती और अन्य सुगंधित वस्तुओं की घोषणा की, जिसका हजारों अगरबत्ती निर्माताओं द्वारा सत्कार किया गया। अगरबत्ती बनाने के लिए बांस के आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए श्री सक्सेना ने हाल ही में अगरबत्ती बनाने के लिए 22 इंच के अंतर-नोडल लंबाई वाले "बम्बोसा तुलदा" नामक उच्च गुणवत्ता वाले बांस के पौधे का रोपण करवाया है।

श्री सक्सेना ने भारत के विभिन्न हिस्सों में कई प्रतिष्ठित विशाल चरखे स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है | इसके अलावा वाराणसी में केवीआईसी के कुमारप्पा राष्ट्रीय हस्तनिर्मित कागज संस्थान (केएनएचपीआई), जयपुर में प्लास्टिक-मिश्रित पेपर बैग और टेराकोटा ग्राइंडर मशीन की सफल शुरूआत सुनिश्चित की है।

परंपरा से समझौता किए बिना खादी को आधुनिक बनाने की जरूरत: गडकरी

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री ने देश के युवाओं के बीच खादी को और अधिक आकर्षक बनाने के तरीकों पर विचार-विमर्श करने के लिए विचार-मंथन सत्र की अध्यक्षता की

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम मंत्री ने खादी के लिए उत्पाद डिजाइनों की सुविधा हेतु 25 सितंबर, 2019 को आयोजित "राष्ट्रीय डिजाइन और उत्पाद विकास केंद्र" के विकास पर एक बैठक में भाग लिया। केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी ने कहा कि हमारा लक्ष्य खादी क्षेत्र को पुन: संगठित करना है और फैशन डिजाइनिंग उद्योग के सहयोग से हम खादी को भारत का वस्त्र बना सकते हैं। भारत की परंपरा से समझौता किए वगैर खादी को ट्रेंडी और आधुनिक बनाने की जरूरत है।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के तहत खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने खादी संस्थाओं की सुविधा के लिए देश में राष्ट्रीय डिजाइन और उत्पाद विकास केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव किया है ताकि बाजार की मांग के अनुसार फैशनेबल डिजाइन विकसित किए जा सकें। श्री गडकरी ने कहा कि "खादी की बिक्री और इसे वैश्विक ब्रांड बनाने के लिए परंपरा के साथ समझौता किए वगैर इसके डिजाइनों को और अधिक आधुनिक बनाने की जरूरत है।

प्रस्तावित डिजाइन हाउस बाजार की मांग के अनुसार विकासशील उत्पादों में खादी संस्थाओं को सुविधा प्रदान करेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि एक डिजाइन हाउस की प्राथमिक भूमिका नवीनतम डिजाइन रुझानों की पहचान करना, उन्हें ग्राहक की जरूरतों के अनुसार अपनाना और इसके लिए उत्पादन में परिवर्तन करने के लिए विभिन्न परीक्षण और समीक्षा गतिविधियां करनी होगी।

के.वी.आई.सी. ने देश के पूर्वी, पश्चिमी, उत्तरी व दक्षिणी भागों में से प्रत्येक के अलावा एक उत्तर पूर्व क्षेत्र में भी डिज़ाइन हाउस स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। ये बीओटी मोड पर या आउटसोर्सिंग के आधार पर हो सकते हैं। सरकार खादी के प्रति ग्राहकों के विश्वास तथा उत्पादन और रोजगार बढ़ाने में मदद करने के लिए इन डिज़ाइन हाउसों को देख रही है। इस बैठक में रोहित बल, जेजे वलाया, राघव रतनजोर सहित फैशन डिजाइनर शामिल हुए। फैशन उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वालों में इलाहाबाद नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ डिज़ाइन और द नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ फ़ैशन टेक्नोलॉजी के वरिष्ठ अधिकारी भी हैं।

केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री श्री प्रताप चंद्र सारंगी ने 23 सितंबर, 2019 से 27 सितंबर, 2019 तक नीलगिरी, बालासोर के के.सी.पुर ग्राम पंचायत स्तरीय महासंघ कार्यालय में आयोग के प्रमुख कार्यक्रम हनी मिशन के तहत मधुमक्खी पालन पर आयोजित भावी उद्यमी प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री द्वारा कारीगरों को चर्म कौशल हेतु टूल किट का वितरण

नई दिल्ली: दिल्ली और पड़ोसी क्षेत्रों से आए चर्म कारीगरों का यह सपना तब सच हुआ, जब केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री नितिन गडकरी ने यहां एनडीएमसी बिल्डिंग में खादी और ग्रामोद्योग आयोग के तत्वावधान में 24 सितम्बर, 2019 को आयोजित एक समारोह में लगभग 150 चर्म कारीगरों को चर्म-चिकित्सक (चमड़े के डॉक्टर) के रूप में पुनः संगठित कर उन्हें उन्नत चर्म उपकरण किट वितरित किए।

महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती समारोह वर्ष के अवसर पर बोलते हुए माननीय मंत्री ने कहा कि चर्म उद्योग अग्रणी ग्रामोद्योगों में से एक है और चर्म कला / शिल्प में विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन की अपार संभावनाएं हैं। "मुझे खुशी है कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग, पंडित दीन दयाल उपाध्याय और 'स्वाबलंबन' के 'अंत्योदय' के विचार को प्रकट करने के लिए आगे आया है। इसके पीछे यह विचार है कि सूक्ष्म वित्तीय सहायता के साथ अपने घरों पर चमड़े के कारीगरों का समर्थन किया जाए ताकि बाजार की आवश्यकता

को ध्यान में रखते हुए वे चमड़े के उत्पादों का उत्पादन शुरू कर सकें। उन्हें अब 'चर्म चिकित्सक' (लेदर डॉक्टर्स) के रूप में जाना जाएगा।" उन्होंने बताया कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने अब तक प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (प्र.मं.रो.सृ.का.) के तहत पिछले 3 वर्षों के भीतर 419 इकाइयां स्थापित की हैं।

हालांकि, गडकरी ने चर्म कारीगरों को अधिक सहायता प्रदान करने के लिए जोर दिया। "हाशिए पर रहने वाले इन लोगों का समर्थन करना हमारा प्रमुख कर्तव्य है, जिन्होंने या तो अपनी गतिविधि को दूसरे व्यवसाय में बदल दिया है या मौजूदा दूसरी पीढ़ी इस व्यवसाय की ओर नहीं बढ़ी है। मुझे यकीन है कि इस तरह के चर्म उपकरण किट मूल्यवर्धित चर्म कला और शिल्प उत्पादों को बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा,"हमारी सरकार ने 'ग्रामोदय विकास योजना' के तहत चर्म और शिल्प उद्योगों को मुख्य ग्राम उद्योगों में से एक माना है। "

उन्होंने चर्म कारीगरों से उनके उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार करने की भी अपील की और आश्वासन दिया कि सरकार उन्हें इस संबंध में हर संभव वित्तीय सहायता देगी।

सीमांत समुदाय के उत्थान में केवीआईसी के प्रयासों की सराहना करते हुए श्री गडकरी ने कहा, "आने वाले दिनों में चर्म कला और शिल्प उद्योग के.वी.आ.ई.सी. के तहत महत्वपूर्ण ग्रामोद्योगों में से एक होगा और इस क्षेत्र में खोए हुए गौरव को फिर से

केंद्रीय कपड़ा और महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने 7 सितंबर, 2019 को होटल रेडिसन, फरीदाबाद में *"चरखा - एक कदम स्वाभिमान की ओर"* योजना के तहत 8 स्पिंडल 100 चरखा वितरित किये।

✦✦✦✦

वापस लौटाया जाएगा। जिसके लिए खादी और ग्रामोद्योग आयोग को मान्यता प्राप्त होगी। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम ने चर्म कला और शिल्प उद्योग के समग्र विकास के लिए 25 करोड़ रुपये का अतिरिक्त समर्थन दिया है।"

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि महात्मा गांधी के आत्मनिर्भरता के सिद्धांत और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के समावेशी विकास मंत्र पर विश्वास करते हुए केवीआईसी, समाज के अंतिम आदमी के विकास को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। "इन कार्यक्रमों के साथ हम हाशिए के लोगों के जीवन में बदलाव ला सकते हैं। यह न केवल कई गुना चर्म-चिकित्सक की आय में वृद्धि करेगा, बल्कि उन्हें सामाजिक सुरक्षा और स्वीकृति भी देगा।"

उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में खादी और ग्रामोद्योग आयोग, प्रशिक्षित चर्म डॉक्टरों

के मध्य एक और 70,000 लेदर टूल किट वितरित करेगा।

इस समारोह को संबोधित करने वाले अन्य लोगों में नई दिल्ली की सांसद मीनाक्षी लेखी और राज्यसभा के पूर्व सांसद के.सी. त्यागी थे।

✦✦✦✦

केंद्रीय एमएसएमई राज्य मंत्री ने 7 सितंबर को केन्द्रीय पूनी संयंत्र, सीहोर का दौरा किया, जहां उन्होंने पूनी संयंत्र में चल रही गतिविधियों का गहनता से अवलोकन किया।

केंद्रीय एमएसएमई राज्य मंत्री ने अपने दौरे के दौरान केन्द्रीय पूनी संयंत्र के परिसर में पौधारोपण भी किया ।

मंत्री महोदय को भ्रमण के दौरान संयंत्र के उप मुख्य कार्यकारी प्रभारी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि बाजार में बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए केन्द्रीय पूनी संयंत्र, सीहोर किस तरह से प्रयास कर रहा है।

आयोग के अध्यक्ष द्वारा अगरबत्ती इकाईयों का दौरा

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने 15 सितंबर, 2019 को अगरतला में अगरबत्ती निर्माताओं से मुलाकात की, जिन्होंने सरकार द्वारा कच्चे अगरबत्ती को प्रतिबंधित सीमउ में आयात करने के बाद बढ़ती मांग को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

19 सितंबर को अहमदाबाद में आयोग के अध्यक्ष ने गुजरात के अगरबत्ती निर्माताओं से भी मुलाकात की! उन्होंने सभी को आयात की श्रेणी में अगरबत्ती बनाने के लिए लगने वाली कच्ची सामग्री को प्रतिबंधित करने के लिए प्रधान मंत्री को धन्यवाद दिया और उद्योग की मांग को दूर करने के लिए बाँबोसा तुलदा के 5 पौधे लगाने और उत्पादन बढ़ाने का संकल्प लिया।

अध्यक्ष द्वारा खादी करघों व चरखों का वितरण

खादी अपने कीमती कारीगरों के चेहरे पर मुस्कान बिखेरती है! आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने 2 सितंबर 2019 को भदोई जिले (यूपी) के लच्छपुर गांव के कारीगरों के बीच 90 नए मॉडल चरखे और 10 करघे वितरित किए।

अगरबत्ती निर्माताओं ने रोज़गार और उत्पादन को बढ़ावा देने का संकल्प लिया

अहमदाबाद / नई दिल्ली: ऐसा लगता है कि भारत में अगरबत्ती निर्माताओं के अच्छे दिन आ गए हैं, क्योंकि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने इस साल 29 अगस्त, 2019 को आयात की जाने वाले वस्तुओं की 'प्रतिबंधित श्रेणी' के तहत अगरबत्ती बनाने की कच्चे सामग्री और अन्य सुगंधित वस्तुओं को भी शामिल करने का आदेश दिया गया।

प्रथमतःइस संबंध में "अखिल भारतीय अगरबत्ती निर्माताओं" ने बंगलौर में 7 सितंबर 2019 को घोषणा की, जिसमें कुछ 250 प्रतिभागियों ने प्रतिज्ञा की कि वे छह माह में कम से कम 5.5 लाख प्रत्यक्ष रोजगार का सृजन करेंगे। तमिलनाडु के वेल्लोर जिले में अगरबत्ती निर्माण इकाई चलाने वाले दाऊद खान एच. ने कहा, "अगरबत्ती के कच्चे माल और गोल बांस की लकड़ियों के आयात ने हमारी रीढ़ तोड़ दी है। यह नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा लिया गया साहसी और ऐतिहासिक निर्णय था, जिसने हमें आशा की किरण दिखायी है। मैंने पहले ही अपने इकाई में मशीनों की मरम्मत शुरू कर दी है जो विगत एक दशक से निष्क्रिय पड़ी हैं। यदि खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री वी. के. सक्सेना ने अगरबत्ती बनाने में लगी के.वी.आई.सी. के प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम इकाइयों की दयनीय स्थितियों के बारे में उन्हें अवगत नहीं कराया होता, तो ये इकाइयां फिर से जीवित नहीं होती।

बंगलौर में अगरबत्ती निर्माताओं से भारी मात्रा में प्रतिक्रिया मिलने के बाद, के.वी.आई.सी.के अध्यक्ष ने पूर्वोत्तर राज्यों में अगरबत्ती इकाइयों का जायजा लेने का फैसला किया। पिछले हफ्ते गुवाहाटी और अगरतला की अपनी यात्रा के दौरान, श्री सक्सेना ने यह पाया कि उस क्षेत्र के अगरबत्ती निर्माता, जिसे भारत के बांस-हब के रूप में जाना जाता है, भारी मात्रा में आयात की इस समस्या का हल हो सकते हैं।

उत्तर-पूर्व के बाद, केवीआईसी के अध्यक्ष ने गुजरात का दौरा किया, वहां अगरबत्ती निर्माताओं से मुलाकात की। गुजरात अगरबत्ती निर्माता एंड डीलर्स एसोसिएशन के सचिव, भाविक शाह के लिए, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने भारत में अगरबत्ती उद्योग को जीवन दिया, जो रॉ अगरबत्ती और गोल बास के स्टिक के अप्रयुक्त आयात के कारण अपना उद्देश्य से भटक गया था। "गामदा के 250 सदस्यों ने सर्वसम्मति से जाटी बाँस (बाँबूसा तुलदा) के कम से कम पाँच पौधे लगाने का संकल्प लिया।

अपशिष्ट कुम्हारी वस्तुओं को पुनःउपयोग में लाने के लिए खादी ने खोजा नया उपाय:वाराणसी में 'टेराकोटा ग्राइंडर' का लोकार्पण

वाराणसी: नवाचार के साथ परंपरा हाल के दिनों में खादी के विकास का मंत्र है, जो 2 सितंबर को फिर से परिलक्षित हुआ, इतिहास में पहली बार खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने वाराणसी स्थित सेवापुरी में 'टेराकोटा ग्राइंडर' को लोकार्पित किया। यह मशीन कुम्हारी (मिट्टी) के बेकार और टूटे हुए वस्तुओं को पीसकर महीन बनाकर मिट्टी के बर्तनों को बनाने के लिए पुन: उपयोग में लाया जाएगा।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना, जिन्होंने स्वयं इस 'टेराकोटा ग्राइंडर' पर डिजाइन किया, उन्होंने कहा कि कुल्हड़, प्लेट और घड़े इत्यादि जैसे टूटे-फूटे बर्तनों का संज्ञान लेते हुए इसे एक उचित तरीके से पुनः उपयोग में लाने की आवश्यकता महसूस की गई है। “पिछले महीने वाराणसी के केसरीपुर गाँव के कुम्हार बहुल गाँव में मेरी यात्रा के दौरान, मैंने गाँव के हर नुक्कड़ पर बेकार पड़े टेराकोटा के सामानों का ढेर देखा। उसके पश्चात, मैंने केसरीपुर के युवा कुम्हार चंदन प्रजापति को सुझाव दिया कि टूटी-फूटी टेराकोटा उत्पादों को पीसकर अर्थात महीन चूर्ण बनाकर इसे सामान्य मिट्टी के साथ मिश्रित करके पुनः उपयोग में लाया जा सकता है। तदनुसार, अपशिष्ट मिट्टी के बर्तनों को सामान्य खल-मसल (मोर्टार और मूसल) में पीस कर महीन चूर्ण बनाया गया और इस महीन पाउडर को सामान्य मिट्टी के साथ 20:80 के अनुपात में मिलाया गया अर्थात 20 प्रतिशत व्यर्थ मिश्रित पाउडर और 80 प्रतिशत सामान्य मिट्टी। "संयोग से, इन मिट्टी के बर्तनों को जोड़ने के लिए, चंदन का पूरा परिवार मिट्टी के बर्तन बनाने संबन्धित कार्य में लगा है, जिसमें उनके पिता भी शामिल हैं, जो एक अनुभवी कुम्हार हैं, जिन्होंने टेराकोटा उत्पादों को बनाने में पाउडर को पुनः उपयोग में लाने की संभावना से इन्कार किया था।"

हालांकि, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष के आग्रह पर पाउडर को सामान्य मिट्टी के साथ निर्धारित अनुपात में मिश्रित करके केवीआईसी द्वारा दिए गए इलेक्ट्रिक पॉटर व्हील्स पर कुल्हड़ और अन्य मिट्टी के बर्तन बनाए गए। ग्रामीण यह देखकर आश्चर्यचकित हुए कि इस मिश्रण से बने मिट्टी के बर्तन न केवल परिपूर्ण थे, बल्कि मजबूत भी थे। “इस प्रयोग की सफलता और कुम्हारों की संतुष्टि के बाद, मैंने एक ग्राइंडर तैयार किया, जिसका उपयोग निम्नतम लागत

पर बड़े स्तर पर किया जा सकता है। अध्यक्ष महोदय ने बताया कि इस' टेराकोटा ग्राइंडर' के डिजाइन को राजकोट स्थित एक इंजीनियरिंग इकाई को तैयार करने के लिए दिया।" उन्होंने कहा, "यह कुम्हारों के लिए कई मायनों में एक वरदान सिद्ध होगा। एक तरफ जहा, यह उत्पादन की लागत को कम करेगा; वहीं दूसरी ओर यह उन्हें मिट्टी की कमी की समस्या से भी बचाएगा। चूंकि वाराणसी क्षेत्र में मिट्टी के एक ट्रैक्टर ट्रॉली की कीमत 2,600 रुपये है, इस व्यर्थ टेराकोटा पाउडर के 20 प्रतिशत मिश्रण के साथ कुम्हार इसमें कम से कम 520 रुपये बचाएगा। इस मशीन से गांवों में रोजगार के अधिक अवसरों का सृजन होगा।"

इस अवसर पर खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष ने ग्रामीणों के मध्य 200 इलेक्ट्रिक पॉटर व्हील्स और अन्य कुम्हारी मशीनों का भी वितरण किया, जिससे न केवल 900 नए रोजगार सृजित होंगे, बल्कि वाराणसी स्टेशन पर टेराकोटा उत्पादों की बढ़ती मांग भी पूरी होगी। रेल मंत्रालय ने 16 जनवरी 2019 को खादी और ग्रामोद्योग आयोग के इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी और जोनल रेलवे और आईआरसीटीसी को निर्देश दिया कि वह यात्रियों को खानपान की वस्तुओं को परोसने के लिए कुल्हड़, गिलास और प्लेट्स जैसे स्थानीय रूप से उत्पादित, पर्यावरण के अनुकूल टेराकोटा उत्पादों के उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए वाराणसी और रायबरेली रेलवे स्टेशनों पर स्थित खानपान इकाइयाँ तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करें, ताकि स्थानीय टेराकोटा उत्पाद निर्माता आसानी से अपने उत्पादों का विपणन कर सकें।

यह मशीन कुम्हारों के लिए एक वरदान होना चाहिए क्योंकि केंद्रीय सू.ल.म.उ. मंत्री श्री नितिन गडकरी ने पूर्व में ही 400 प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर कुल्हड़ और अन्य टेराकोटा उत्पादों को पेश करने का प्रस्ताव रखा था, ताकि हस्तकला और छोटे व्यवसायों को प्रोत्साहित किया जा सके। प्रस्ताव रेलवे के

विचाराधीन है।

यह बता दें कि केवीआईसी ने स्वच्छ भारत अभियान में एक सक्रिय भागीदारी होने की अपनी प्रतिबद्धता में, समकालीन दुनिया की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक 'प्लास्टिक संकट' को कम करने के लिए अनुपातिक तरीका निकाला है, अर्थात रिप्लान (प्रकृति से प्लास्टिक अपशिष्ट को कम करने की योजना) अपनी अनूठी परियोजना प्रारम्भ की। इस परियोजना में प्रकृति से प्लास्टिक के अपशिष्ट एकत्र किये जाते हैं, इसके बाद इसे मुलायम बनाने के लिए इसकी सफाई, कटाई जैसी प्रक्रिया की जाती है। इसके पश्चात इसे कागज़ की कच्ची सामाग्री अर्थात कपास की 80% लुग्धी को और 20% अपशिष्ट मिश्रण (प्लास्टिक अपशिष्ट) के अनुपात में मिश्रित किया जाता है और अंत में प्लास्टिक-मिश्रित हस्तनिर्मित कागज का निर्माण जयपुर स्थित के.वी.आई.सी. इकाई, कुमारप्पा नेशनल हैंडमेड पेपर इंस्टीट्यूट (के.एन.एच.पी.आई.) में किया जाने लगा। यह संस्थान सितंबर 2018 से अब तक 6 लाख से अधिक हस्तनिर्मित प्लास्टिक मिश्रित बैग की बिक्री कर चुका है।

✦✦✦✦

'हनी मिशन' के तहत राष्ट्रीय मधुमक्खीपालकों की बैठक

भारत में शहद की खपत प्रति व्यक्ति सिर्फ 5 ग्राम है

- आयोग के अध्यक्ष

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष की अध्यक्षता में 9 सितंबर, 2019 को बंगलौर में आयोग के वन आधारित उद्योग निदेशालय, मुंबई द्वारा राष्ट्रीय मधुमक्खीपालक बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर 200 से अधिक अग्रणी मधुमक्खी पालनकर्ता, हनी मिशन के नोडल अधिकारी, मधुमक्खी पालन सहकारी समितियों के पदाधिकारी, शहद और मधुमक्खी उत्पादक उपस्थित थे।

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने अपने अध्यक्षीय भाषण में मधु क्रान्ति कार्यक्रम के तहत देश में मधुमक्खी पालन उद्योग के विकास पर अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने महसूस किया कि भारत में शहद की खपत बहुत कम है, अर्थात सिर्फ 5 ग्राम प्रति व्यक्ति, इसका उपयोग दवा के रूप में किया जाता है। जबकि विकसित देशों में खपत काफी अधिक है और भोजन के रूप में इसका उपयोग किया जाता है। शहद और उसके उपभोग के महत्व पर लोगों को शिक्षित करने की आवश्यकता है। भारतीय मानक जीवन में नियमित आहार के रूप में शहद की नियमित खपत वर्तमान युग में सबसे बड़ी चुनौती है, बावजूद इसके कि शहद में खनिज, विटामिन एंटीऑक्सिडेंट आदि के रूप में अपने पोषक तत्व होते हैं। केवीआईसी ने हाल ही में शहद के

उपभोग के महत्व को उजागर करते हुए विज्ञापन अभियान शुरू किया। शहद की खपत को बढ़ावा देने के लिए राजधानी, इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेनों और उड़ानों में नाश्ते में जैम के स्थान पर शहद के उपयोग के लिए इस विषय को रेलवे और उड्डयन मंत्रियों के साथ उठाया जाएगा। इसके अलावा, उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत में शहद की कीमत बहुत कम है। आगे उन्होंने कहा

कि भारत में शहद की कीमत बहुत कम है। जबकि विदेशों में, 100 ग्राम शहद 140 डॉलर में बेचा जाता है। बाजार में भारतीय शहद की कीमत विदेशों में बिकने वाले शहद की दर के बराबर होनी चाहिए। शहद में तरल फ्रुक्टोज की मिलावट को रोकने या भारतीय बाजार में मिलावटी शहद बेचने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि मधुमक्खी पालकों, मधुमक्खी के छत्ते, मधुमक्खी पालन करने वाले उपकरण निर्माताओं आदि के कल्याण के लिए राष्ट्रीय मधुमक्खीपालन महासंघ का गठन किया जाएगा। वर्ष में केवीआईसी ने 2,00,000 मधुमक्खी के छतों का लक्ष्य निर्धारित किया है।

इसके अतिरिक्त, मानव संसाधन विकास मंत्रालय से अनुरोध किया जाएगा कि वे पाठ्य पुस्तकों में पाठ्यक्रम के रूप में मधुमक्खी पालन को शामिल करें। मधुमक्खी नर्सरी की स्थापना करने के लिए अधिक से अधिक तकनीकी कर्मचारियों के साथ राज्य मधुमक्खी पालन विस्तार केंद्रों को मजबूत किया जाएगा। डमी बी-बक्से को आम जगहों पर प्रदर्शित किया जाता है, जैसे कि सुपर मार्केट, गार्डन, स्कूल और यूनिवर्सिटी कैंपस, मॉल इत्यादि स्थानों में। जागरूकता के लिए विभिन्न शहद उत्पादों को प्रदर्शित किया जाएगा। एफ.एस.एस.ए.आई.मानकों के अनुसार पूरे देश में शहद परिक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना की जाएगी।

अपने विशेष संबोधन में आयोग की मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने मधुमक्खी पालन के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि केवीआईसी शुरुआत से ही मधुमक्खी पालन की सक्रियता को लागू कर रहा है। हालांकि माननीय प्रधान मंत्री द्वारा स्वीट क्रांति के बाद मधुमक्खी पालन गतिविधियों की घोषणा हनी मिशन परियोजना के रूप में 2017-18 से शुरू की गई थी, जिसमें पूरे देश में मधुमक्खी पालन गतिविधियों के विस्तार हेतु ध्यान केंद्रित किया गया। अब तक 1.10,000 मधुमक्खी के छत्ते वितरित किए गए, जिससे 11,000 रोजगार के अवसरों का सृजन हुआ। 2017- 18 के दौरान, केवीआईसी द्वारा 15.00 करोड़ रु. जारी किए गए और इस वर्ष में 63.45 करोड़ रु.का आवंटन मधुमक्खी पालन विकास के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा किया गया है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग देश में 7 मधुमक्खी पालन स्फूर्ति क्लस्टर कार्यान्वित कर रहा है। शहद प्रसंस्करण संयंत्रों का पुनरुद्धार, मधुमक्खी नर्सरी की स्थापना, शहद परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना, शहद और अन्य उत्पादों के मानकों का निर्माण, बाजार संवर्धन प्रमुख क्षेत्र हैं जहां केवीआईसी मधुमक्खीपालन गतिविधियों के संपूर्ण विकास को सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित नीतियों और निष्पादन पर ध्यान देगा।

इससे पूर्व, अपने सम्बोधन में संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने भारत में मधुमक्खी पालन की वर्तमान स्थिति के बारे में विस्तार से बताया और कृषि और बागवानी उपज के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए मधुमक्खी पालन उद्योग की आवश्यकता पर बल दिया, साथ ही साथ किसानों, मधुमक्खीपालकों की आय में भी कैसे वृद्धि हुई इस बारे में अवगत कराया।

इस अवसर पर उन्होंने वैज्ञानिकों और अन्य प्रतिभागियों के साथ चर्चा की और अपने अनुभवों को साझा किया जहां वे इस व्यापार को अधिक सफल और अपनाने योग्य बनाने के लिए अपने सुझाव के साथ आगे आए। बैठक में मधुमक्खी पालन उपकरण निर्माताओं आदि ने भी भाग लिया।

वाराणसी में आधुनिक खादी इंडिया आउटलेट का उद्घाटन

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने 1 सितंबर को वाराणसी में एक आधुनिक खादी इंडिया आउटलेट का उद्घाटन किया जो शहर में खादी की बिक्री को बढ़ावा देगा।

आयोग के अध्यक्ष ने 14 सितंबर, 2019 को त्रिपुरा के माननीय मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब से मुलाकात की और अगरबत्ती उद्योग के पुनरुद्धार, हनी मिशन, कुम्हार सशक्तिकरण योजना के कार्यान्वयन, चर्म कारीगरों की विकास योजना और पीएमईजीपी योजना पर चर्चा की। केवीआईसी, त्रिपुरा में रोजगार सृजन के लिए प्रतिबद्ध है।

आयोग के अध्यक्ष श्री विनय कुमार सक्सेना ने 6 सितंबर, 2019 को बेंगलुरु में "खादी इंडिया" आउटलेट का उद्घाटन किया, जो कर्नाटक सर्वोदय संघ की एक विपणन इकाई है और 1926 में स्थापित एक ऐतिहासिक खादी संस्थान है। इस संस्थान का स्वर्णिम इतिहास है।

केवीआईसी का हनी मिशन 13 सितंबर, को मेघालय में समुद्र तल से 4906 फीट पर एशिया के सबसे स्वच्छ गांव मावलिननग तक पहुंचता है। प्रशिक्षण के बाद 25 ग्रामीणों के बीच 250 बी-बॉक्स वितरित किए। इस शून्य प्रदूषण वाले गाँव में, यहाँ तक कि स्कूली बच्चे भी स्वछता मिशन के राजदूत हैं।

आयोग में हिन्दी माह का आयोजन

खादी और ग्रामोद्योग आयोग, मुख्यालय, मुंबई में इस वर्ष दिनांक 03 सितंबर, 2019 से 30 सितंबर, 2019 तक आयोग के मुख्यालय सहित सभी राज्य/ विभागीय कायार्लयों में हिन्दी माह का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था।

दिनांक 16.09.2019 को मुख्य कार्यकारी अधिकारी की अध्यक्षता में मुख्यालय के ढेबर भाई सभाकक्ष में हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी महोदया एवं उपस्थित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम की परंपरागत शुरुआत करते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी/ राजभाषा अधिकारी, सभी उप मुख्य कार्यकारी अधिकारियों एवं सहायक निदेशक

अम्बाला

राज्य कार्यालय, मुंबई

(राजभाषा) द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी महोदया ने इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शुभकामनाएँ देते हुए हिन्दी में अधिक से अधिक कार्य करने पर ज़ोर दिया।

इस अवसर पर श्री कृष्ण पाल, सहायक निदेशक (राजभाषा) ने उपस्थित सभी अधिकारियों/कर्मचारियों का स्वागत करते हुए श्री अमित शाह, गृह मंत्री का हिन्दी दिवस के अवसर पर दिया गया संदेश पढ़ कर सुनाया एवं दिनांक 03 सितंबर, 2019 से हिन्दी माह के दौरान हिन्दी प्रतियोगिताओं के आयोजन का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया।

इस अवसर श्री वाई.के.बारामतीकर, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी/राजभाषा अधिकारी, श्री गुरुप्रसन्ना, श्री आर.एस.पाण्डेय, उप मुख्य कार्यकारी

देहरादून

अधिकारी एवं सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए अधिकारियों/कर्मचारियों को हिन्दी में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। अंत में श्री कृष्ण पाल, सहायक निदेशक (राजभाषा) /प्रभारी (हिन्दी विभाग) ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

✦✦✦✦

आयोग के मधुमक्खी पालन और प्रशिक्षण संस्थान, पुणे ने 19 सितंबर, 2019 को स्थानीय आगामी मधुमक्खी पालकों के लिए मधुमक्खी पालन पर एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया।

आयोग ने कुम्हार सशक्तिकरण योजना के तहत विकास भारती, बिशुनपुर, गुमला में 40 कुम्हारी कारीगरों को विद्युत चालित कुम्हारी चाक और अन्य कुम्हारी उपकरण वितरित किए।

राज्य कार्यालय, देहरादून (उत्तराखंड) द्वारा 26.9.2019 को एमडीटीसी, हल्द्वानी में मधुमक्खी पालन पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। हनी मिशन के तहत 35 लाभार्थियों को टूल किट वितरित किए गए, जिनमें 10-10 बॉक्स और टूल किट शामिल हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता आयोग के राज्य उप निदेशक प्रभारी, उत्तराखंड श्री राम नारायण ने की।

आयोग के राज्य कार्यालय, अंबाला में 20.09.2019 को 100 दिवसीय कार्यक्रम में हनी मिशन के तहत 600 मधुमक्खी बॉक्स, बी-कॉलोनी और टूल किट को वितरित किया गया। कार्यक्रम में आयोग के राज्य निदेशक श्री यशपाल सिंह, नाबार्ड के जिला उप प्रबंधक, 2 मधुमक्खीपालक विशेषज्ञ और नोडल अधिकारी के अलावा 60 उद्यमियों ने भाग लिया।

मण्डलीय कार्यालय, बीकानेर के अंतर्गत चर्म कौशल उपकरण किट वितरण कार्यक्रम किया गया, इस अवसर पर श्री धर्मेन्द्र मोची विधायक मुख्य अतिथि थे।

प्रेस कवरेज

Forwarded

'No' to plastic! Passengers will be served tea in kulhads at railway stations
KVIC will be providing 30,000 electric potter wheels and also grinding
www.livemint.com

https://www.livemint.com/news/india/-no-to-plastic-passengers-will-be-served-tea-in-kulhads-at-railway-stations-1568286552937.html
9:13 AM

Forwarded

Passengers to be served tea in kulhads at 400 railway stations soon
The Railways is already using pottery products at Varanasi and Rae Bareilly
www.indiatvnews.com

https://www.indiatvnews.com/news/india/passengers-to-be-served-tea-in-kulhads-at-400-railway-stations-soon-549114
9:13 AM

Forwarded

Passengers at 400 railway stations to soon be served tea in earthen cups | India News - Times of India
India News: NEW DELHI: Rail passengers will soon be served tea, snacks and
timesofindia.indiatimes.com

https://m.timesofindia.com/india/passengers-at-400-railway-stations-to-soon-be-served-tea-in-earthen-cups/articleshow/71096608.cms
9:13 AM

Railways to shun plastic. 400 stations to soon be served tea in kulhads
According to the Environment Ministry, about 20,000 tonnes of plastic
www.newindianexpress.com

http://www.newindianexpress.com/nation/2019/sep/12/railways-to-shun-plastic-400-stations-to-soon-be-served-tea-in-kulhads-2032599.html
9:13 AM

Forwarded

Economic Times on Twitter
"Terracotta products like kulhads, glasses and plates will be used for serving food and beverages https://t.co/zu13BETmLm"
twitter.com

https://twitter.com/EconomicTimes/status/1172011958599479296?s=19
9:13 AM

Forwarded

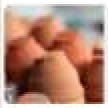

देश के 400 रेलवे स्टेशनों में मिट्टी के कुल्हड़, गिलास में मिलेगी चाय, लस्सी
रेल यात्रियों को जल्दी ही 400 रेलवे स्टेशनों पर चाय, लस्सी और खाने- पीने का सामान मिट्टी से बने कुल्हड़, गिलास और दूसरे बर्तनों में मिलने लगेगा। खादी और ग्रामोद्योग
www.livehindustan.com

https://m.livehindustan.com/national/story-400-railway-stations-passangers-soon-be-served-tea-in-kulhads-2742238.html
9:13 AM

Forwarded TODAY

Plastic उत्पाद के खिलाफ पहल : देश के 400 रेलवे स्टेशनों पर मिट्टी के कुल्हड़ और गिलास में मिलेगी चाय और लस्सी
नयी दिल्ली : रेल यात्रियों को जल्दी ही 400 रेलवे स्टेशनों पर चाय, लस्सी और खाने-पीने
www.prabhatkhabar.com

https://www.prabhatkhabar.com/news/industry/initiative-against-plastic-products-tea-and-lassi-will-be-available-in-earthen-ax-and-glass-at-400-railway-stations-of-the-country/1328426.html
9:13 AM

Forwarded

अब कुल्हड़ के गिलास में मिलेगी चाय और लस्सी, देश के 400 रेलवे स्टेशनों पर शुरू होगी सुविधा
रेल यात्रियों को जल्द ही सफर के दौरान खाने पीने के चीजों को लेकर एक अलग ही
m.jagran.com

https://m.jagran.com/business/biz-passengers-will-be-served-tea-in-kulhads-at-railway-stations-19571084.html
9:13 AM

Forwarded

Indian Railways: 400 रेलवे स्टेशनों पर जल्द मिलेगी कुल्हड़ों में चाय, जानें- इसके पीछे क्या है मकसद
रेल यात्रियों को नाश्ता और खाना भी मिट्टी से बने बर्तनों में मिलेगा। देश-भर की एक ब्रा
m.jagran.com

https://m.jagran.com/news/national-passengers-at-400-railway-stations-to-soon-be-served-tea-in-kulhads-19570996.html
9:13 AM

देश के 400 रेलवे स्टेशनों पर कुल्हड़ में मिलेगी चाय, 30 हजार परिवारों को मिलेगा रोजगार
रेलवे प्लास्टिक पर अंकुश लगाने के लिए नया प्रयोग करने जा रही है। यात्रियों को जल्द ही
hindi.asianetnews.com

https://hindi.asianetnews.com/national-news/tea-will-be-available-in-kulhad-at-400-railway-stations-30-thousand-get-employment-pxpxoe
9:13 AM

Forwarded

देश के कई रेलवे स्टेशनों पर सिंगल यूज़ प्लास्टिक बैन, अब मिलेगा ये बर्तन - Single use plastic ban at many railway stations
एक बार इस्तेमाल कर फेंके जाने वाले यानी सिंगल यूज़ प्लास्टिक पर लगाम कसने की
specialcoveragenews.in

https://specialcoveragenews.in/national/single-use-plastic-ban-at-many-railway-stations-1108926
9:15 AM

Forwarded

ट्रेन के सफर में मिट्टी के कुल्हड़ व गिलास में मिलेगी चाय-लस्सी, 400 स्टेशनों पर होगी ये सुविधा
रेल यात्रियों को जल्दी ही 400 रेलवे स्टेशनों पर चाय, लस्सी और खाने-पीने का सामान
www.india.com

https://www.india.com/hindi-news/india-hindi/400-railway-stations-to-use-earthen-kulhad-for-serving-tea-and-lassi-to-passengers/
9:15 AM

Forwarded TODAY

प्लास्टिक को बाय-बाय, देश के 400 रेलवे स्टेशनों पर मिट्टी के बर्तनों में मिलेगी चाय और खाना
रोजाना बनाए जाएंगे 2.5 करोड़ कुल्हड़ और मिट्टी के अन्य बर्तन
money.bhaskar.com

https://money.bhaskar.com/news/MON-INDU-MANU-400-railway-stations-to-get-kulhad-and-other-terracotta-utensils-1568288240.html
9:13 AM

Forwarded

As the PM turns a year older, brand Modi gets bigger - Exchange4media
As Prime Minister Narendra Modi celebrates his birthday today, industry
www.exchange4media.com

https://www.exchange4media.com/features-news/at-69-prime-minister-modi-is-a-brand-in-himself-99570.html
9:13 AM

Forwarded

Amidst cheers, applause, Khadi makes it presence felt at "Howdy, Modi" event
www.outlookindia.com

https://www.outlookindia.com/newsscroll/amidst-cheers-applause-khadi-makes-it-presence-felt-at-howdy-modi-event/1625332
9:13 AM

Forwarded

Khadi shines at Houston
On September 22, when Prime Minister Narendra Modi was addressing the Indian Community in Houston, his favourite fabric Khadi, too, was making
www.millenniumpost.in

http://www.millenniumpost.in/features/khadi-shines-at-houston-375803
9:13 AM

India News: हाउडी मोदी' में तालियों और हर्ष ध्वनि के बीच खादी भी पहुंची - khadi also arrived in 'howdy modi' amid applause and cheers | Navbharat Times
India News: नयी दिल्ली, 23 सितंबर (भाषा) अमेरिका के ह्यूस्टन शहर में रविवार को आयोजित भव्य हाउडी
navbharattimes.indiatimes.com/https

India News: हाउडी मोदी' में तालियों और हर्ष ध्वनि के बीच खादी भी पहुंची - khadi also arrived in howdy modi amid applause and cheers | Navbharat Times - https://navbharattimes.indiatimes.com/india/khadi-also-arrived-in-howdy-modi-amid-applause-and-cheers/articleshow/71264799.cms?utm_source=whatsapp&utm_campaign=nbtmobile&utm_medium=referral
9:13 AM

Forwarded

Howdy Modi in Huston with US president Donald trump live updates here
Prime Minister Narendra Modi program Howdy Modi in Huston with US
www.livehindustan.com

https://m.livehindustan.com/live-blog/prime-minister-narendra-modi-program-howdy-modi-in-huston-with-us-president-donald-trump-live-updates-here-2760503.html
9:15 AM

प्रेस कवरेज

सीहोर पत्रिका

SUNDAY पत्रिका

कानूनी जुर्म बने गाय को आवारा की तरह सड़क पर छोड़ना : सारंगी

मोदी के मंत्री बोले... जीएसटी-नोटबंदी की वजह से मंदी का दौर

इछावर में दिया बयान

पॉलिटिकल रिपोर्टर. भोपाल | केंद्रीय पशुपालन राज्य मंत्री प्रतापचंद्र सारंगी ने कहा कि जीएसटी और नोटबंदी की वजह से मंदी है। लेकिन, स्थिति में जल्द ही परिवर्तन होगा। उन्होंने इछावर रोड स्थित केंद्रीय पूनी संयंत्र खादी और ग्रामोद्योग आयोग में शनिवार को निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मीडिया से चर्चा में स्वीकार किया कि मंदी में शीघ्र परिवर्तन होगा। किसी भी कंपनी व उद्योग के कर्मचारियों का रोजगार नहीं छीना जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रभात होने से पहले रात घनी होती है। मंदी से उद्योग धंधों पर कोई ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा। इससे ऊपर आने के लिए केंद्र सरकार प्रयासरत है।

दैनिक भास्कर

कॉन्फ्रेंस • केंद्रीय पशुपालन राज्य मंत्री सारंगी ने कहा-

गाय व राम राजनीति का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय गौरव का मुद्दा

भाजपा और कांग्रेस दोनों के आदर्श हैं गांधी

राज एक्सप्रेस | महानगर

गौ माता हिंदू-मुस्लिम नहीं होती : प्रताप चंद्र सारंगी

अगले डेढ़ वर्ष में प्रदेश के समस्त निराश्रित गौ-वंश का करेंगे व्यवस्थापन

From waste to wonder: Machine that recycles kulhads

पूनी संयंत्र के विकास को लेकर किया निरीक्षण, मिलेगा रोजगार

मत्स्य व पशुपालन विभाग मंत्री ने संयंत्र का लिया जायजा

मंदी का दौर चल रहा है पर किसी भी कर्मचारी से रोजगार नहीं छीना जाएगा: केंद्रीय राज्य मंत्री सारंगी

प्रेस कवरेज

Indian leather industry GETS A BOOST

Union Minister Nitin Gadkari distributed advanced leather tool kits among 150 leather artisans, during an event held on on September 24

OUR CORRESPONDENT

Minister Nitin Gadkari, KVIC Chairman Vinai Kumar Saxena, New Delhi MP Meenakshi Lekhi, Former Rajya Sabha MP KC Tyagi along with others during the event held at NDMC building

It was dream come true for leather artisans hailing from Delhi and neighbouring areas, when Union Minister of Micro, Small and Medium Enterprises (MSME) Nitin Gadkari rechristened them as Charm-Chikitsak (Leather Doctors) and distributed advanced leather tool kits among nearly 150 leather artisans on September 24, at a function held under the aegis of Khadi and Village Industries Commission (KVIC) at NDMC Building here.

Speaking on the occasion organised under 150th Birth Anniversary Celebration Year of Mahatma Gandhi, the minister said that leather industry is one of the pioneer village industries and leather art/craft has immense potential of job creation, especially in the rural areas. "I am happy that KVIC has decided to manifest the idea of 'Antyodaya' (by Pandit Deen Dayal Upadhyay) and 'Sarvodaya' (by Mahatma Gandhi)... The aim is to help leather artisans with macro-financial assistance so that they may start producing the leather products as per the market need," he said and informed that the KVIC has so far established 439 units within last three years under the Prime Minister's Employment Generation Programme (PMEGP).

"It is our prime duty to support this marginalised lot, who has either switched to another business or the second generation has not turned up to the vocation. I am sure such leather tool kits may enhance the value-added leather art and craft products," he stated, adding, "Our government has considered leather and craft industries as one of the core village industries under 'Gramodyog Vikas Yojana'."

He also appealed the leather artisans to improve quality of their products and assured that the government will give them the needed financial assistance.

Appreciating KVIC's efforts in uplifting the marginalised community, Gadkari further mentioned: "In the coming days, leather art and craft industry will be one of the significant village industries under KVIC and the lost glory in this sector will be regained, for which KVIC will be recognised. MSME has extended additional support of Rs 25 crores for the overall development of leather art and craft industry."

KVIC Chairman Vinai Kumar Saxena, in his welcome address, said that believing on Mahatma Gandhi's principle of self-reliance and Prime Minister Narendra Modi's mantra of inclusive growth, KVIC is committed to ensuring the development of every person in the society. "With these programs, we can bring change in the lives of marginalised people. It will not only increase the income of charm-chikitsak manifold, but will also give them social security and acceptance," he said. "In the current financial year, KVIC would distribute another 70,000 leather tool kits among the trained leather doctors," he further informed.

Among others, who addressed this function were New Delhi MP Meenakshi Lekhi and former Rajya Sabha MP KC Tyagi.

दैनिक भास्कर 29-Sep

लेदर टूल किट का वितरण दिया स्वरोजगार प्रशिक्षण

गन्धेली गाँव के 75 लेदर आर्टिजनों को मिली निःशुल्क लेदर टूल किट

रावतसर

खादी ग्रामोद्योग आयोग भारत सरकार के मण्डलीय कार्यालय बीकानेर व लालबहादुर शास्त्री शिक्षा समिति रावतसर के द्वारा ग्राम पंचायत गन्धेली में लेदर टूल किट वितरण कार्यक्रम आयोजन हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ पीलीबंगा विधायक धर्मेंद्र मोची व बद्रीलाल मीना राज्य निदेशक खादी और ग्रामोद्योग आयोग भारत सरकार ने किया। कार्यक्रम के दौरान 75 लेदर आर्टिजनों को निःशुल्क लेदर टूलकिट वितरण कर उनको लाभान्वित किया गया। विधायक मोची ने लाभान्वित आर्टिजनों को टूल किट का सही उपयोग करने का आग्रह किया। खादी और ग्रामोद्योग आयोग की योजनाओं से जुड़ने और उनसे लाभ उठाने की बात कही। राज्य निदेशक बद्रीलाल मीना ने उपस्थित ग्रामवासियों को खादी और ग्रामोद्योग आयोग भारत सरकार की योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। राज्य निदेशक मीना ने ग्रामीण क्षेत्र की योजनाओं को ग्रामीणों तक पहुचाने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर जे.पी.सिंह कार्यकारी अधिकारी केवीआईसी बीकानेर, सरपंच हनुमान प्रसाद, विनोद पुनिया, प्रदीप स्वामी, मुकेश खोड़, ट्रेनर देवेंद्र सोलंकी आदी उपस्थित रहे। मंच संचालन सत्यसिंह राजपुरी द्वारा किया गया। एल.बी.एस संस्था सचिव भानसिंह राठौड़ ने सफल कार्यक्रम के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

खादी उत्पादों पर मिलेगी 50 प्रतिशत तक छूट : गहलोत

गांधी सप्ताह के आयोजनों की तैयारी की समीक्षा की सीएम ने

भास्कर न्यूज | जयपुर

सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर 2 अक्टूबर से आयोजित होने वाले गांधी सप्ताह में राज्य, जिला स्तर पर अधिक से अधिक जनभागीदारी हो। गांधी के दर्शन को 2 अक्टूबर 2020 तक पहुंचाने का काम किया जाएगा। एक साल तक होने वाले कार्यक्रमों में विभिन्न विभागों के साथ-साथ स्वयंसेवी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, सामाजिक संस्थाओं, खादी एवं ग्रामोद्योग संस्थाओं सहित आमजन को व्यापक रूप से जोड़ा जाए। वह बुधवार को गांधी सप्ताह के आयोजनों की तैयारी की समीक्षा कर रहे थे। गहलोत ने कहा कि महात्मा गांधी के 150वीं जयंती के इस उपलक्ष्य में राज्य में खादी एवं ग्रामोद्योग से जुड़ी संस्थाओं को संबल देने एवं आम जनता में खादी के प्रति आस्था को देखते हुए 2 अक्टूबर से 31 दिसम्बर तक उनके उत्पादों की बिक्री पर छूट को 20 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक किया जाएगा। खादी उत्पादों के विपणन को प्रोत्साहन देने के लिए गांधी जयंती आयोजनों की श्रृंखला में इनकी बड़ी प्रदर्शनियां आयोजित करने के भी निर्देश दिए।

---

75 लेदर आर्टिजनों को मिली निःशुल्क लेदर टूल किट

हिंदी पखवाड़े के दौरान खादी ग्रामोद्योग की हिंदी प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

प्रेस कवरेज

टूल किट वितरण कार्यक्रम

फैशन डिजाइनरों का साथ पाकर और निखरेगी खादी

बांटे जाएंगे 15 हजार खादी के थैले

खादी महोत्सव 3 अक्टूबर से, नामी डिजाइनरों की ड्रेस पेश की जाएगी

MSME Minister Nitin Gadkari urges key stakeholders to come together for further boost of Khadi Sector

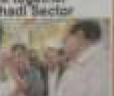

Zindagi Badi Bhi Honi Chahiye... Aur Lambi Bhi!!!

खादी ग्रामोद्योग आयोग की ओर से नयाबास में 28 ट्रेड कोर्स को मिली मंजूरी, अब चरखे पर बनेगा सूत

સૂર્ય ઉર્જા સંચાલિત અંબર ચરખા સેન્ટર આજે રાજકોટમાં ખુલ્લુ મુકાશે

पूनी संयत्र के विकास को लेकर किया निरीक्षण, मिलेगा रोजगार

मत्स्य व पशुपालन विभाग मंत्री ने संयत्र का लिया जायजा

KVIC TO SET UP ANOTHER 50,000 AGARBATTI UNITS

Centre Puts Curbs on Imports of Agarbatti

Our Political Bureau

New Delhi: The Centre has come to the rescue of India's domestic 'agarbatti' or incense stick industry by bringing in an amendment to the import policy.

In its order dated August 31, the Ministry of Commerce and Industry has amended category for raw agarbatti from 'free' to 'restricted' - a move that will result in increased import duties on it.

Huge reduction in import duty on raw agarbattis under the Indo-Asean free trade agreement since 2011, has led bamboo sticks from China and Vietnam to flood the market through the last few years.

The decision to revise the import duty structure was taken at a high-level inter ministerial meeting that was held last week.

ET was first to report on August 26 that there was an increasing concern in the government over huge imports of raw agarbatti from China and Vietnam impacting India's domestic agarbatti industry and pushing it into the red. Buoyed with the government decision, Khadi & Village Industries Commission which had first red flagged the issue, is preparing to set up another 50,000 agarbatti units in the country.

Bamboo sticks from China and Vietnam have flooded the market in the last few years

खादी व ग्रामोद्योग आयोग कार्यालय में हिंदी कार्यशाला

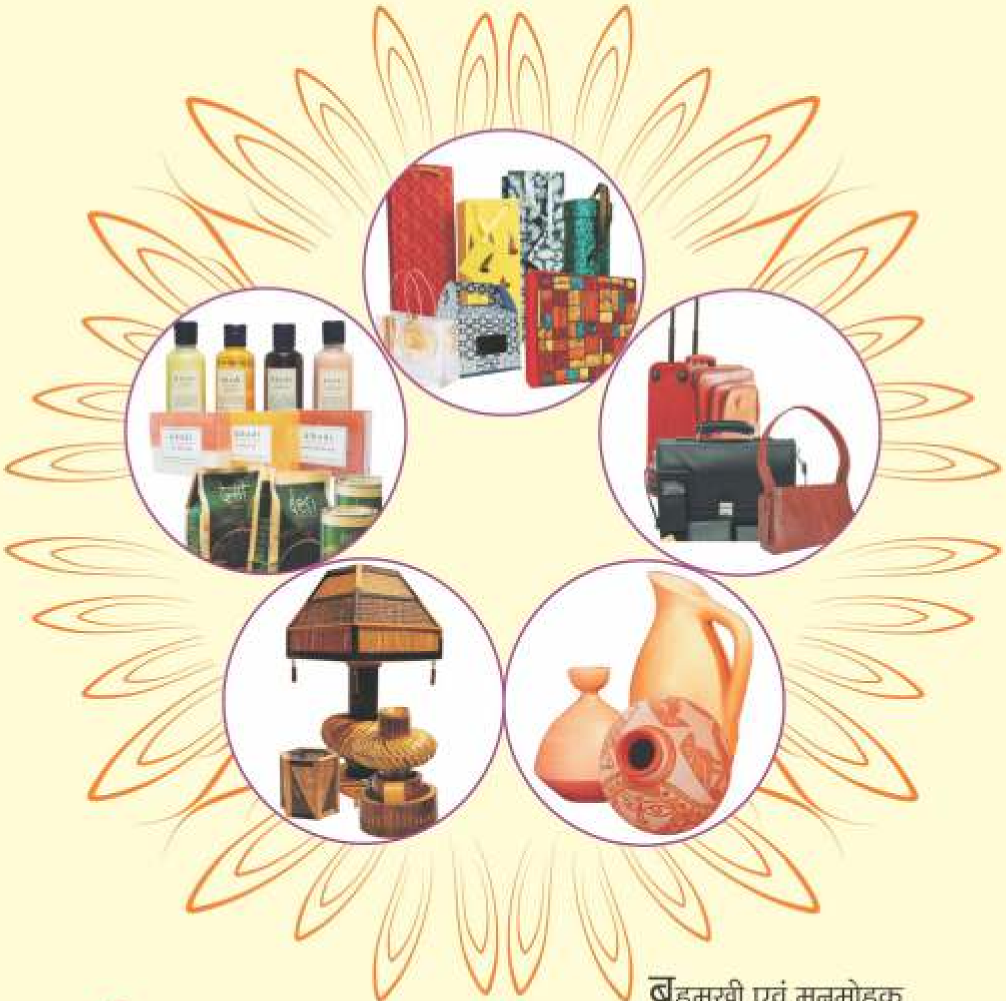

पर्यावरणानुकुल उत्पादों का एक स्थान

बहुमुखी एवं मनमोहक
खादी डिजाइनर परिधानों
जैसे पर्यावरणानुकूल उत्पादों का एक स्थान
खादी वस्त्र, हर्बल उत्पाद,
रसायन रहित अगरबत्तियां,
विषाणु रहित एवं एन्टी फंगल शहद,
नैसर्गिक एवं आयुर्वेदिक सौन्दर्य उत्पाद
जैसे साबुन एवं शैम्पू,
हाथ कागज एवं पारंपरिक हस्तशिल्प
तथा अन्य उत्पादों की विशाल श्रृंखला

खादी और ग्रामोद्योग आयोग
सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय,भारत सरकार
ग्रामोदय, 3, इर्ला रोड़, विले पार्ले (पश्चिम), मुम्बई-400 056.
वेबसाईट : www.kvic.org.in

Khadi India

"भारत में हम रोजगार सृजन करते है तथा समृध्दि बुनतें हैं"